VOL. 02 ईमेल: संपर्क के लिए Editorial Contact: news@bhaaratarth.com Live Updates: livenews@bhaarataarth.com पृष्ठ 01 19.02.2026

भारतार्थ

— खबर नहीं, उसका अर्थ —

राजधानी में शिक्षा का नया अध्याय: युवा सपनों को संवारने हेतु 'श्री राज आईएएस' का शुभारंभ

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

नई दिल्ली। भारत की राजधानी नई दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आहोर-भाद्राजून क्षेत्र के शिक्षाविद् ओम प्रकाश पटेल द्वारा 'श्री राज आईएएस' संस्थान का शुभारंभ किया गया। इस पहल को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है। संस्थान का मुख्य उद्देश्य सिविल सेवा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराना तथा ग्रामीण-शहरी सभी वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करना बताया गया है। उद्घाटन अवसर पर उपस्थित शिक्षाविदों व समाजजनों ने इसे शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक कदम बताते हुए युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षाविद् ओम प्रकाश पटेल ने कहा कि देश के अनेक प्रतिभाशाली युवा संसाधनों व उचित मार्गदर्शन के अभाव में अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाते। संस्थान का प्रयास रहेगा कि विद्यार्थियों को अनुभवी शिक्षकों, समसामयिक अध्ययन सामग्री और प्रेरणादायक वातावरण के माध्यम से सफलता के लिए तैयार किया जाए। शैक्षणिक जगत के जानकारों के अनुसार इस प्रकार की पहल से प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और अधिक विद्यार्थी प्रशासनिक सेवाओं सहित अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में अपना स्थान बना सकेंगे। समाज के विभिन्न वर्गों ने संस्थान के सफल संचालन की शुभकामनाएँ देते हुए इसे युवाओं के सपनों को साकार करने वाला मंच बताया।

गुरुवाणी के प्रभाव से शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ता कलबी समाज, दिल्ली स्थित कलबी भवन के प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर हर्ष

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

नई दिल्ली। गुरुवाणी की प्रेरणा और समाज सुधार की भावना के साथ कलबी समाज शिक्षा एवं व्यक्तित्व निर्माण के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा

समाज के परम आराध्य गुरु श्री 1008 श्री राजाराम जी महाराज के उपदेशों के पालन तथा उनके वर्षों पूर्व देखे गए सपनों को साकार करने की दिशा में राजधानी दिल्ली में निर्मित कलबी भवन के एक वर्ष पूर्ण होने पर समाज में उत्साह का वातावरण है।

समाजजनों के अनुसार गुरुवाणी के प्रभाव से शिक्षा, संस्कार और नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ी है। इसी भावना के तहत शिकारपुरा धाम के वर्तमान गादीपति महंत श्री 108 दयाराम जी महाराज के मार्गदर्शन में शिक्षा-प्रेम, चरित्र निर्माण और सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से कई पहलें आगे बढ़ रही हैं।

उल्लेखनीय है कि कलबी भवन का उद्घाटन 18-19 फरवरी 2025 को सामाजिक नियमों और गुरुवाणी के सिद्धांतों के अनुरूप सम्मानपूर्वक संपन्न हुआ था। भवन के माध्यम से समाज में संस्कारयुक्त शिक्षा, नशामुक्ति अभियान तथा युवा पीढ़ी के व्यक्तित्व विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

समाज के जागरूक लोगों से अपील की गई है कि वे गुरुवाणी को आत्मसात कर शिक्षा, संस्कार और सामाजिक सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं, जिससे समाज का सर्वांगीण विकास हो सके। साथ ही सभी श्रद्धालुओं के लिए मंगलकामना व्यक्त करते हुए समाज की उन्नति और सद्भावना बनाए रखने का संदेश दिया गया।

VOL. 02 ईमेल: संपर्क के लिए Editorial Contact: news@bhaarataarth.com Live Updates: livenews@bhaarataarth.com पृष्ठ 02 19.02.2026

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —

ऐतिहासिक निर्णय : धवा में नया पुलिस थाना खुलने से लूणी क्षेत्र की सुरक्षा होगी सुदृढ़

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

लूणी/धवा। क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने लूणी विधानसभा क्षेत्र के धवा में नवीन पुलिस थाना खोलने की घोषणा की है। इस निर्णय के लिए आमजन व जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के साथ-साथ वित्त मंत्री दिया कुमारी लूणी विधानसभा क्षेत्र विधायक जोगाराम पटेल के प्रति आभार व्यक्त किया है।

स्थानीय नागरिकों का मानना है कि नए पुलिस थाने की स्थापना से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, अपराध नियंत्रण में सहायता मिलेगी तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा। लंबे समय से क्षेत्र में पुलिस थाना खोलने की मांग उठती रही थी, जिसे अब राज्य सरकार ने बजट घोषणा के माध्यम से स्वीकार किया है।

जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि इस फैसले से ग्रामीण इलाकों में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध होगी, जिससे आपात स्थितियों में राहत और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित होंगी। साथ ही क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी इससे सकारात्मक गति मिलने की उम्मीद है।

राज्य सरकार द्वारा “समृद्ध राजस्थान” की परिकल्पना के तहत उठाया गया यह कदम लोककल्याण की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

श्री श्री रविशंकरजी संग मंदिर संरक्षण पर महत्वपूर्ण चर्चा, ऑल इंडिया ओल्ड टेंपल रेनोवेशन ट्रस्ट को कर्नाटक चैप्टर का समर्थन

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलूरु। आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण को लेकर हाल ही में श्री श्री रविशंकर के साथ सुरेश कुमार जैन की सार्थक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में प्राचीन मंदिरों के संरक्षण, पुनरुद्धार एवं सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से कार्यरत ऑल इंडिया ओल्ड टेंपल रेनोवेशन ट्रस्ट की गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान मंदिरों के जीर्णोद्धार, ऐतिहासिक महत्व की धरोहरों के संरक्षण तथा समाज की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने जैसे विषयों पर विशेष विचार-विमर्श हुआ। बताया गया कि ट्रस्ट देशभर में पुराने मंदिरों के पुनर्निर्माण एवं संरक्षण के लिए संगठित प्रयास कर रहा है, जिससे धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को नई ऊर्जा मिल सके।

इस अवसर पर ट्रस्ट के कर्नाटक चैप्टर की ओर से गुरुजी ने पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल आस्था के केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता के प्रतीक भी हैं, जिनका संरक्षण समय की आवश्यकता है।

सुरेश कुमार जैन ने बैठक को अत्यंत सकारात्मक बताते हुए कहा कि आध्यात्मिक नेतृत्व का सहयोग मिलने से मंदिर संरक्षण अभियान को देशभर में नई गति मिलेगी। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस पुनीत कार्य में सहभागिता का आह्वान भी किया।

विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे प्रयास न केवल धार्मिक धरोहरों के संरक्षण में सहायक होंगे, बल्कि पर्यटन, स्थानीय रोजगार और सांस्कृतिक जागरूकता को भी बढ़ावा देंगे।

श्री मूलाराम जी के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

पाली/चेन्डा। क्षेत्र के कोन्दली चेन्डा निवासी श्री मूलाराम जी के आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त हो गया।

उनके निधन का समाचार मिलते ही परिजन, रिश्तेदार, समाजबंधु एवं परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई।

श्री मूलाराम जी सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व एवं समाजसेवा की भावना के लिए जाने जाते थे। वे सदैव सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों में सक्रिय रहते थे तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहते थे। उनके व्यवहार एवं कार्यशैली के कारण क्षेत्र में उन्हें विशेष सम्मान प्राप्त था।

उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, ग्रामीणों तथा शुभचिंतकों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

VOL. 02 ईमेल: संपर्क के लिए Editorial Contact: news@bhaarataarth.com Live Updates: livenews@bhaarataarth.com पृष्ठ 03 19.02.2026

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —

नासिक में सांसद की कार में लगी आग, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

ठाणे। जालोर-सिरोही क्षेत्र के सांसद लुंबाराम चौधरी शुक्रवार देर रात एक संभावित बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार सांसद जिस कार से नासिक की यात्रा कर रहे थे, उसमें अचानक आग लग गई। समय रहते चालक की सतर्कता और सांसद की सजगता से बड़ा नुकसान टल गया।

प्राप्त विवरण के मुताबिक यह घटना देर रात करीब 1:30 बजे उस समय हुई जब वे ठाणे से त्र्यंबकेश्वर महादेव मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे।

रास्ते में कार से जलने की गंध आने पर चालक ने तुरंत वाहन रोका। स्थिति भांपते हुए सांसद तुरंत कार से उतर गए, जिसके बाद वाहन में आग भड़क उठी।स्थानीय स्तर पर तत्काल मदद मिलने से आग पर काबू पा लिया गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

घटना के बाद क्षेत्र में उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने फोन कर कुशलक्षेम पूछी। सांसद ने स्वयं बातचीत में बताया कि वे पूरी तरह सुरक्षित हैं और अब अपने सिरोही स्थित आवास पर सकुशल पहुंच चुके हैं।

इस घटना के बाद जालोर-सिरोही क्षेत्र में राहत की भावना है। समर्थकों ने चालक की सूझबूझ और समय रहते उठाए गए कदमों को हादसा टलने का मुख्य कारण बताया।

भाजपा संगठन में नई जिम्मेदारी: बनासकांठा जिला उपाध्यक्ष बनीं डॉ. रिटा बेन पटेल, कार्यकर्ताओं में हर्ष

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

डीसा/बनासकांठा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा बनासकांठा जिला के जिला उपाध्यक्ष पद का दायित्व सौंपे जाने पर डॉ. रिटा बेन हिरेनभाई पटेल को राजनीतिक, सामाजिक तथा विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उनके इस मनोनयन से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

डॉ. पटेल लंबे समय से सामाजिक सेवा, संगठनात्मक गतिविधियों तथा जनहित कार्यों से जुड़ी रही हैं। पार्टी नेतृत्व ने उनके अनुभव, सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण को ध्यान में रखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उनके नेतृत्व से जिले में संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने में नई ऊर्जा मिलेगी।

डीसा सहित पूरे क्षेत्र में उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि वे अपने दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगी तथा क्षेत्र के विकास और संगठन विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, व्यावसायिक व राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है।

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —
भारतार्थ एक न्यूज़ ब्लॉग है जो खबरों का गहन विश्लेषण और संदर्भ देता है। समाचार केवल सूचना मात्र नहीं, बल्कि समाज की दिशा तय करने वाले आधार हैं जो राष्ट्र-बोध और वैचारिक गहराई को सशक्त करते हैं।

VOL. 02 ईमेल: संपर्क के लिए Editorial Contact: news@bhaarataarth.com Live Updates: livenews@bhaarataarth.com पृष्ठ 04 19.02.2026

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —

तेलंगाना के करिमनगर में दुर्लभ गौवंश संरक्षण की मिसाल — माहेश्वरी परिवार की गौसेवा सराहनीय : किशोर पटेल

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

करिमनगर / तेलंगाना। देशी गौवंश संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए स्थानीय माहेश्वरी परिवार द्वारा संचालित गोशाला में दुर्लभ पुंगनूर नस्ल सहित विभिन्न देशी गायों की सेवा, संरक्षण एवं संवर्धन का उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। हाल ही में इस गोशाला के अवलोकन के दौरान वहां की व्यवस्थाओं, गौसेवा गतिविधियों और संरक्षण प्रयासों को नजदीक से देखने का अवसर मिला, जो अत्यंत सराहनीय और प्रेरक प्रतीत हुआ। गोशाला में विशेष रूप से छोटी कद-काठी वाली दुर्लभ देशी पुंगनूर गायों का संरक्षण किया जा रहा है। इन गायों की देखभाल के लिए संतुलित आहार, स्वच्छ वातावरण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा सुरक्षित पालन की सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई है। संचालकों का प्रयास है कि इस विलुप्तप्राय होती देशी नस्ल का संरक्षण सुनिश्चित हो और भविष्य में इसकी संख्या में वृद्धि हो सके।

गौसेवा में संलग्न परिवार का कहना है कि देशी गौवंश केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन, प्राकृतिक खेती, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जैव विविधता संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी सोच के साथ वे निस्वार्थ भाव से गौसेवा को सामाजिक दायित्व मानकर कार्य कर रहे हैं।

पशुपालन विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का मत है कि इस प्रकार की निजी पहल देशी नस्लों के संरक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। इससे समाज में गौसेवा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है तथा पारंपरिक पशुपालन संस्कृति को भी प्रोत्साहन मिलता है।

गौरतलब है कि भारत में देशी गौ नस्लों के संरक्षण को लेकर जागरूकता लगातार बढ़ रही है। निजी स्तर पर संचालित ऐसी गोशालाएं भविष्य में देशी गौवंश संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण आधार बन सकती हैं और समाज को सेवा, संवेदनशीलता तथा प्रकृति संरक्षण का सशक्त संदेश देती हैं।

गुरुवाणी से नशामुक्त समाज का आह्वान—कलबी समाज को संस्कार, सादगी और राष्ट्रभक्ति का संदेश

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

शिकारपुरा तीर्थधाम। कलबी समाज के आध्यात्मिक मार्गदर्शक श्री 1008 श्री राजाराम जी महाराज की गुरुवाणी को गीता-ज्ञान का खजाना बताते हुए समाज में नशामुक्ति, संस्कारित शिक्षा और सादगीपूर्ण जीवन अपनाने का संदेश दिया गया है। गुरुवाणी प्रचारक एवं सामाजिक विश्लेषक किशनाराम पटेल ने कहा कि गुरु महाराज के उपदेश आज भी समाज को नैतिकता, संयम और राष्ट्रभक्ति की राह दिखा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि गुरुवाणी में नशे को “नाश की जड़” बताया गया है तथा समाज को सरल, सात्विक, सुशील और जागरूक जीवन अपनाने की प्रेरणा दी गई है। गुरु संदेश के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को गुरु भक्त और राष्ट्र भक्त मानव बनते हुए परिवार, समाज व देश के निर्माण में सकारात्मक योगदान देना चाहिए।

प्रचारक ने कहा कि नशीले पदार्थ न केवल सामाजिक पतन का कारण बनते हैं,

अगले पेज पर

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —

बल्कि पारिवारिक मूल्यों और नारी सम्मान के लिए भी गंभीर खतरा हैं। इसलिए समाज के सभी वर्गों को नशे से दूरी बनाकर सनातन संस्कृति के आदर्शों का पालन करना चाहिए।

सामाजिक आयोजनों—विवाह, धार्मिक अनुष्ठान, नवजात संस्कार, यज्ञ-हवन व अन्य पारिवारिक कार्यक्रमों—में नशीले पदार्थों के प्रयोग से बचने का भी आह्वान किया गया।

इसे कुल परंपरा के विपरीत बताते हुए उन्होंने कहा कि गुरुवाणी के अनुरूप जीवन ही समाज की प्रतिष्ठा और नैतिक शक्ति को बनाए रख सकता है। उन्होंने आगे कहा कि गुरु आस्था और आध्यात्मिक अनुशासन व्यक्ति को अहंकार-मुक्त, संस्कारित और जिम्मेदार नागरिक बनाता है। समाज के लोगों से अपील की गई कि वे गुरु संदेश को आत्मसात कर अपने घर-परिवार,

समाज और राष्ट्र के नव निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएँ। जानकारी के अनुसार विद्युत विभाग में सहायक अभियंता के रूप में कार्यरत किशनाराम पटेल वर्तमान में कांकाणी क्षेत्र से जुड़े हैं तथा मूलतः राजोर, पोस्ट सर, तहसील लूणी, जिला जोधपुर (राजस्थान) के निवासी हैं। वे लंबे समय से गुरुवाणी प्रचार और नशामुक्त समाज के अभियान से जुड़े हुए हैं।

त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग में संत समागम: साध्वी भगवती बाई जी ने श्रीमहंत हरि गिरि महाराज से की शिष्टाचार भेंट

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

नाशिक। महाराष्ट्र के पवित्र तीर्थ स्थल में दर्शन-पूजन के उपरांत आध्यात्मिक जगत का एक महत्वपूर्ण संत-समागम देखने को मिला। पीठाधीश्वर परम तपस्विनी साध्वी श्री भगवती बाई जी (माताजी) ने मंदिर परिसर में के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि महाराज से शिष्टाचार भेंट कर आध्यात्मिक संवाद किया। इस अवसर पर साध्वी भगवती बाई जी ने

ज्योतिर्लिंग के दर्शन को अत्यंत पुण्यदायी बताते हुए कहा कि ऐसे पवित्र स्थलों पर संतों का मिलन समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और सनातन संस्कृति के प्रति श्रद्धा को सुदृढ़ करता है।

वहीं श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने भी संत-समाज की एकजुटता और धर्म जागरण की आवश्यकता पर बल देते हुए साध्वी जी के तप, सेवा और समाजहित कार्यों की सराहना की। बताया जाता है कि यह भेंट पूर्णतः सौहार्दपूर्ण

वातावरण में हुई, जिसमें धार्मिक परंपराओं के संरक्षण, समाज में नैतिक जागरूकता तथा आध्यात्मिक मूल्यों के प्रसार जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

उल्लेखनीय है कि स्थित त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग हिंदू धर्म के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जहाँ देश-विदेश से श्रद्धालु नियमित रूप से दर्शन के लिए पहुँचते हैं। संत-समाज की ऐसी मुलाकातें श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणास्रोत मानी जाती हैं।

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —

Dhanna Ram Choudhary Bhaarataarth News Editor-in-Chief

Watsapp & Mobile Number : 9341259043, Mobile Number : 9164117755 Email ID : news@bhaarataarth.com Website: https://www.bhaarataarth.com/

Office & Residential Address:

Maruthi Plaza, No.10/1, 1st Cross Road, 3rd Floor, Oil Mill Road, Arvind Nagar, Maruthi Seva Nagar Post, Kammanahalli, Bangalore-560033 Karnataka

VOL. 02 ईमेल: संपर्क के लिए Editorial Contact: news@bhaarataarth.com Live Updates: livenews@bhaarataarth.com पृष्ठ 06 19.02.2026

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —

बालोतरा में यातायात संकट: लूनी नदी किनारे बसों का जमावड़ा बना परेशानी

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बालोतरा (राजस्थान)। शहर के छतरियों का मोर्चा क्षेत्र में इन दिनों यातायात व्यवस्था गंभीर चुनौती का सामना कर रही है। सड़क किनारे प्राइवेट बसों के अनियंत्रित जमावड़े से रोजाना ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है, जिससे आमजन, वाहन चालकों, व्यापारियों और विद्यार्थियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार प्राइवेट बस संचालक बिना किसी निर्धारित बस स्टैंड या प्रशासनिक अनुमति के मुख्य मार्ग पर बसें खड़ी कर देते हैं। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। कई बार एम्बुलेंस, स्कूल बसें और आवश्यक सेवाओं के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं, जिससे हालात और गंभीर हो जाते हैं। व्यापारियों का कहना है कि लगातार लगने वाले जाम से उनके कारोबार पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

ग्राहक बाजार तक पहुंचने में असुविधा महसूस करते हैं और कई बार बिना खरीदारी किए लौट जाते हैं। वहीं स्थानीय निवासियों ने भी बताया कि सुबह और शाम के व्यस्त समय में समस्या सबसे ज्यादा बढ़ जाती है।

नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि प्राइवेट बसों के लिए अलग से निर्धारित पार्किंग या बस स्टैंड की व्यवस्था की जाए तथा अवैध रूप से सड़क किनारे बसें खड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। उनका कहना है कि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो समस्या और विकराल हो सकती है।

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय जनता को उम्मीद है कि जल्द ही ठोस कदम उठाकर इस समस्या से राहत दिलाई जाए।

पाली में जनगणना-2027 की तैयारी तेज: डिजिटल स्वगणना, प्रशिक्षण व पारदर्शिता पर जोर

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

पाली। जनगणना-2027 के प्रथम चरण की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है।

मकानों की गणना एवं मकान सूचीकरण से संबंधित जिला, तहसील और नगर चार्ज के नियमित सहायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर एल.एन. मंत्री की अध्यक्षता में हुआ।

कलक्टर मंत्री ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसे पूर्ण सटीकता, समयबद्धता और पारदर्शिता के साथ संपन्न करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि आगामी जनगणना पूर्णतः डिजिटल माध्यम से होगी, जिसमें आमजन द्वारा स्वगणना 1 मई से 15 मई 2026 तक ऑनलाइन पोर्टल पर की जाएगी। इसके बाद 16 मई से 14 जून 2026 तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर डिजिटल एप के माध्यम से सत्यापन एवं फील्ड कार्य किया जाएगा।

जनगणना प्रक्रिया के संचालन व निगरानी के लिए विशेष पोर्टल विकसित किया गया है। आमजन द्वारा पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने के बाद उन्हें स्वगणना कोड नंबर मिलेगा, जिसे प्रगणक को दिखाने पर पोर्टल पर दर्ज समस्त जानकारी स्वतः प्रदर्शित हो जाएगी और उसका सत्यापन किया जाएगा।

प्रशिक्षण सत्र में जनगणना कार्य निदेशालय राजस्थान के दक्ष प्रशिक्षक सहायक निदेशक दिनेश कुमार रेगर तथा डीपीए सहयोगी करण यादव ने जनगणना के इतिहास, डिजिटल प्रक्रिया और भावी तैयारियों पर विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में आईएएस अधिकारी बिरजु चौधरी, जिला जनगणना अधिकारी डॉ. बजरंग सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (सीलिंग) ओम प्रभा, उप जिला जनगणना अधिकारी राजेन्द्र कुमार टांक, सहायक सांख्यिकी अधिकारी प्रकाश डाबी सहित विभिन्न जनगणना चार्ज अधिकारियों के नियमित सहायक उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन के अनुसार जनगणना कार्यों के सफल व त्रुटिरहित क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर चार्ज अधिकारियों का दो दिवसीय तथा नियमित सहायकों का तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। चार्ज अधिकारी व अतिरिक्त चार्ज अधिकारी का प्रशिक्षण 19-20 फरवरी को होगा, जबकि नियमित सहायकों का प्रशिक्षण 18 फरवरी तक पूर्ण किया जाएगा।

प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि स्वगणना अवधि में सही जानकारी दर्ज कर इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें, ताकि विकास योजनाओं के लिए सटीक आंकड़े उपलब्ध हो सकें।

VOL. 02 ईमेल: संपर्क के लिए Editorial Contact: news@bhaarataarth.com Live Updates: livenews@bhaarataarth.com पृष्ठ 07 19.02.2026

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —
कर्नाटक

खुदरा व्यापार नीति की मांग तेज, व्यापारियों ने सरकार से बजट में घोषणा का आग्रह खुदरा व्यापार नीति की मांग तेज, व्यापारियों ने सरकार से बजट में घोषणा का आग्रह

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलूरु। राज्य के खुदरा व्यापार को प्रोत्साहन देने और व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु आयोजित ट्रेडर्स बैठक में प्रकाश मांडोत ने राज्य सरकार से अलग खुदरा व्यापार नीति घोषित करने की मांग उठाई। जयनगर क्षेत्र के व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या से आगामी बजट भाषण में खुदरा व्यापार प्रोत्साहन नीति की घोषणा करने का आग्रह किया।

बैठक का आयोजन जयनगर एसोसिएशन की पहल पर हुआ, जिसमें व्यापारियों ने कहा कि स्पष्ट खुदरा नीति से कारोबार को बढ़ावा मिलेगा, निवेश आकर्षित होगा और राज्य के राजस्व में करों के माध्यम से वृद्धि संभव होगी।

मांडोत ने यह भी सुझाव दिया कि खुदरा व्यापारियों को लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अंतर्गत शामिल किया जाए, ताकि वे एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े वित्तीय एवं नीतिगत लाभ प्राप्त कर सकें। इसके अतिरिक्त 'सुवर्ण आरोग्य परवनगे' (व्यापार लाइसेंस) से जुड़े लंबित मामलों के समाधान के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में विशेष बैठक बुलाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के संदर्भ में उन्होंने नम्मा मेट्रो तथा बेंगलूरु उपनगरीय रेल परियोजना के लिए पर्याप्त बजट आवंटन की मांग की। साथ ही जयनगर स्मार्ट शॉपिंग हब के तृतीय एवं चतुर्थ ब्लॉक के विकास हेतु 10 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने का अनुरोध भी किया गया।

बैठक में मुख्यमंत्री के वित्तीय सलाहकार बसवराज राय्या रेड्डी तथा मुख्य सचिव शालिनी रजनीश भी उपस्थित रहीं। दोनों अधिकारियों ने व्यापारियों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए सरकार तक उनकी बात पहुंचाने का आश्वासन दिया।

व्यापारिक संगठनों का मानना है कि यदि राज्य में स्पष्ट खुदरा व्यापार नीति लागू होती है, तो न केवल व्यापारियों को स्थिरता और सुरक्षा मिलेगी बल्कि रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को भी नई गति मिल सकेगी।

खेल से फिटनेस और सफलता का संदेश: जेसी नगर में पुरुष-महिला बैडमिंटन स्पर्धा सम्पन्न

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलूरु। जेसी नगर स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में जेसी नगर खेल मैदान में पुरुष एवं महिला बैडमिंटन स्पर्धा का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य खेल भावना को बढ़ावा देना, युवाओं को फिटनेस के प्रति प्रेरित करना तथा स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि "जो खेलेगा वह खिलेगा और जो फिट रहेगा वही जीवन के हर क्षेत्र में हिट रहेगा।" उन्होंने कहा कि सफलता और फिटनेस का गहरा संबंध है तथा नियमित खेलकूद व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

अगले पेज पर

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —
कर्नाटक

देश ,राज्य ,राजनीति ,अपराध ,ब्रेकिंग न्यूज़ ,खेल ,मनोरंजन ,धर्म ,शिक्षा , स्वास्थ्य,ई-पेपर

विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजकों ने महेंद्र मुणोत का भी साफा व स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में स्थानीय खेल प्रेमियों, युवाओं और गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

मीडिया पर रोक डेमोक्रेसी व अभिव्यक्ति की आज़ादी पर हमला : विश्वनाथ

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलूरु। राज्य की इंडियन नेशनल कांग्रेस सरकार द्वारा विधानसभा परिसर में मीडिया की गतिविधियों पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर विधायक एस.आर. विश्वनाथ ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने इसे लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताते हुए सरकार से संबंधित आदेश तत्काल वापस लेने की मांग की।

मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रेस को संविधान का चौथा स्तंभ माना जाता है, ऐसे में उस पर प्रतिबंध लगाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से उन्हें आपातकाल के दौर की याद आती है, जब मीडिया पर नियंत्रण लगाया गया था। उन्होंने सरकार को अपनी सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमियों को दूर करने की सलाह देते हुए प्रेस पर रोक लगाने की नीति को अनुचित बताया।

इस दौरान शहर में बढ़ती कचरा समस्या पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के जरिए कचरे से बिजली बनाने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस काम नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि नई कचरा निस्तारण इकाइयाँ स्थापित नहीं की गईं और वैज्ञानिक तरीके से कचरा प्रबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह स्थिति पहले भारतीय जनता पार्टी सरकार के समय जैसी ही प्रतीत होती है, जब कचरा प्रबंधन को लेकर अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी थी।

राजनीतिक सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक ने कहा कि फिलहाल विधानसभा चुनाव निकट नहीं हैं और गठबंधन व नेतृत्व से जुड़े फैसले राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार ही लिए जाएंगे। उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों में बेहतर समन्वय और जीत पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा अनावश्यक राजनीतिक बहसों से बचने की सलाह दी।

उन्होंने अंत में कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान, स्वच्छता प्रबंधन और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

बी.वाई. विजयेंद्र का बयान—बड़ी धमकियों से डरने का सवाल नहीं, भाजपा स्टेट एग्जीक्यूटिव आज बेंगलूरु में

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी की राज्य कार्यकारिणी बैठक 19 फरवरी को पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित होगी। इसकी तैयारियों का निरीक्षण करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पार्टी किसी भी राजनीतिक धमकी से डरने वाली नहीं है और संगठन आगामी चुनावी चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार है। ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से 1,250 से अधिक प्रतिनिधि सुबह 8:30 बजे से पहुंचेंगे तथा न्हों कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत करेंगे। बैठक में वरिष्ठ नेता बी.एस. येदियुरप्पा, डी.वी. सदानंद गौड़ा, जगदीश शेट्टार, बसवराज बोम्मई, प्रल्हाद जोशी, वी. सोमन्ना तथा शोभा करंदलाजे सहित कई सांसद-विधायक शामिल होंगे।

चुनावी माहौल पर चर्चा

विजयेंद्र ने कहा कि आगामी महीनों में उपचुनाव, स्थानीय निकाय और परिषद चुनाव संभावित हैं, इसलिए संगठनात्मक मजबूती और चुनावी रणनीति पर विशेष चर्चा होगी। उनका कहना था कि राज्य में लगभग तीन वर्ष से सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार से जनता निराश है और पार्टी उसकी नीतियों को किसान-विरोधी, युवा-विरोधी व गरीब-विरोधी मानती है।

येदियुरप्पा के सार्वजनिक जीवन के 50 वर्ष

बैठक के दौरान बी.एस. येदियुरप्पा के सार्वजनिक जीवन के 50 वर्ष पूरे होने पर सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। विजयेंद्र ने उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व ने संगठन को ग्रामीण क्षेत्रों तक मजबूत आधार दिया।

डी.के. शिवकुमार पर प्रतिक्रिया

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के कथित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विजयेंद्र ने कहा कि “ऐसी बड़ी धमकियों से डरने का सवाल ही नहीं उठता।” उन्होंने पार्टी नेता आर. अशोक का भी उल्लेख करते हुए कहा कि राजनीतिक संवाद लोकतांत्रिक मर्यादा में होना चाहिए।

बेंगलुरु की समस्याओं पर फोकस की मांग

विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार को सुरंग सड़कों या बड़े दावों के बजाय शहर की मूल समस्याओं—खासतौर पर कचरा निपटान और सड़कों की हालत—पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु के नागरिक ठोस समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि कार्यकारिणी बैठक में संगठन विस्तार, चुनावी तैयारी और राज्य के विकास से जुड़े प्रस्तावों पर गंभीर मंथन होगा।

VOL. 02 ईमेल: संपर्क के लिए Editorial Contact: news@bhaarataarth.com Live Updates: livenews@bhaarataarth.com पृष्ठ 09 19.02.2026

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —
कर्नाटक

बापूजी नगर में नृत्य उत्सव की धूम—छात्राओं की प्रस्तुति ने मोहा मन, अतिथियों का हुआ सम्मान

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलूरु। बापूजी नगर स्थित श्री वीरेश्वर देवालय बापूजी नगर के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय श्रद्धालुओं, अभिभावकों एवं कला प्रेमियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर हो गया।

इस अवसर पर श्री सविध्या नाट्य अकादमी की छात्राओं ने विभिन्न मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियाँ देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। पारंपरिक एवं आधुनिक नृत्य शैलियों के समन्वय से सजी प्रस्तुतियों ने भारतीय संस्कृति की समृद्ध झलक पेश की, जिसे दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उन्हें पुरस्कार प्रदान किए।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और भारतीय संस्कृति को सहेजने का सशक्त माध्यम भी हैं।

समारोह के अंत में देवालय के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि का साफा व स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया।

शुभ कामना संदेश

हंपी में महाशिवरात्रि महोत्सव धूमधाम से संपन्न—दुग्ध अभिषेक कर दिया शिवभक्ति व सद्भाव का संदेश

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलूरु/हंपी। हंपी नगर स्थित शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक महोत्सव का आयोजन श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के दर्शन-पूजन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया तथा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा।

महोत्सव के दौरान समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने भगवान शिव का विधिवत दुग्ध अभिषेक कर देश-समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि “शिव ही सत्य हैं, शिव ही प्रेम और प्रकाश के प्रतीक हैं। शिव का भाव जीवन में कल्याण, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।” उन्होंने सभी से आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाकर समाज में प्रेम, सहयोग और नैतिकता बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में भजन-कीर्तन, विशेष पूजन, आरती तथा प्रसादी वितरण जैसे धार्मिक आयोजन भी हुए, जिनमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन समिति ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया तथा महोत्सव को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अत में आयोजकों द्वारा महेंद्र मुणोत को सम्मानित कर उनके सामाजिक एवं धार्मिक योगदान की सराहना की गई। पूरे आयोजन ने भक्तों में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करते हुए सामाजिक एकता और शिवभक्ति का संदेश दिया।

VOL. 02 ईमेल: संपर्क के लिए Editorial Contact: news@bhaarataarth.com Live Updates: livenews@bhaarataarth.com पृष्ठ 10 19.02.2026

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —
कर्नाटक

डाबसपेट में 52वें वार्षिकोत्सव की धूम राज्य स्तरीय कन्नड़ साहित्य उत्सव के साथ भव्य जात्रा महोत्सव का आयोजन

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलूरु/डाबसपेट। श्री वनकल मलेश्वरा महासंस्थान डाबसपेट द्वारा आगामी 21 फरवरी 2026 से 1 मार्च 2026 तक 52वें वार्षिकोत्सव के अंतर्गत श्री वनकल मलेश्वर जात्रा महोत्सव तथा राज्य स्तरीय कन्नड़ साहित्य उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस बहुप्रतीक्षित धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं।

मठ प्रमुख डॉ. श्री श्री बसवा रामानंद महास्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वार्षिकोत्सव आध्यात्मिक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और साहित्यिक चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

इस वर्ष आयोजन को विशेष रूप से भव्य स्वरूप दिया जा रहा है, जिसमें धार्मिक अनुष्ठान, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा साहित्यिक गोष्ठियाँ प्रमुख आकर्षण रहेंगी।

कार्यक्रम में समाजसेवी महेंद्र मुणोत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उनके आगमन से आयोजन की गरिमा बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

आयोजकों के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों के संत-महात्मा, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस उत्सव में भाग लेंगे।

डाबसपेट स्थित महासंस्थान परिसर में होने वाले इस महोत्सव के दौरान धार्मिक आस्था के साथ-साथ कन्नड़ साहित्य एवं संस्कृति के संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

आयोजकों ने श्रद्धालुओं और साहित्य प्रेमियों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

जय महादेव युवा संघ केंगेरी उपनगर का 15वां महाशिवरात्रि महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न, भजनों-झांकियों से गूंजा भक्तिमय वातावरण

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलूरु। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को श्री आई माता चामुंडेश्वरी मंदिर चल गट्टा परिसर में जय महादेव युवा संघ केंगेरी उपनगर द्वारा 15वां वार्षिकोत्सव एवं श्री महाशिवरात्रि महोत्सव "एक शाम भोलेनाथ के नाम" हर्ष, उल्लास और श्रद्धा-भक्ति के साथ आयोजित किया गया।
कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और देर रात तक भक्ति रस में सराबोर रहे।

कार्यक्रम के दौरान राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन कलाकार महावीर सांखला ने शिव भक्ति से ओतप्रोत एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु झूम उठे।
पूरा परिसर "ॐ नमः शिवाय" और "हर-हर महादेव" के जयघोष से गूंजता रहा, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बन गया।
विशेष आकर्षण के रूप में मनोज रिया व उनकी टीम, दिल्ली से आए कलाकारों ने भव्य झांकी प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और कार्यक्रम में अलग ही आध्यात्मिक छटा बिखेर दी।

मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने संबोधन में कहा कि यदि हम शिवरात्रि पर बेलपत्र या दुग्ध अभिषेक न भी कर पाएं, तो मन की बुराइयों को भगवान शिव के चरणों में समर्पित करना ही सच्ची भक्ति है।
ऐसा करने से भगवान शिव भक्तों की मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण करते हैं।
विशिष्ट अतिथि कुमार जिवेन्द्र झा, जो राजस्थान पत्रिका के बेंगलूरु संस्करण से जुड़े हैं, ने उपस्थित जनसमूह को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देते हुए ऐसे धार्मिक आयोजनों को समाज में सद्भाव और सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने वाला बताया।

कार्यक्रम का संचालन मनीष मुंडवा ने किया। आयोजन के अंत में संघ के सदस्यों तथा विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने अतिथियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया।
महाशिवरात्रि महोत्सव के इस आयोजन ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करने के साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूती दी।

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —
कर्नाटक

हंपी नगर में ‘सृष्टि कप 2026’ क्रिकेट स्पर्धा का आगाज़, खिलाड़ियों में उत्साह की लहर

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलूरु। हंपी नगर क्रिकेटर्स के तत्वावधान में सृष्टि कप 2026 सीजन-1 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन हंपी नगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।
कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पूर्व पार्षद रविंद्र ने बल्लेबाजी कर किया, जिससे खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलकूद और नियमित व्यायाम से न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है, बल्कि व्यक्तित्व निखरता है और आपसी भाईचारे की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने युवाओं को खेलों से जुड़ने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी। आयोजन समिति ने अतिथियों का साफा व स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।
प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं में खेल प्रतिभा को मंच प्रदान करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।
स्थानीय खेल प्रेमियों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता की उम्मीद।

मीडिया पर प्रतिबंध लोकतंत्र के लिए खतरा, आदेश तुरंत वापस लें: बी.वाई. विजयेंद्र

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

बेंगलुरु। प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने राज्य सरकार द्वारा विधान सौध परिसर में मीडिया गतिविधियों पर लगाए गए प्रतिबंध की कड़ी आलोचना करते हुए इसे लोकतंत्र विरोधी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस फैसले की निंदा करती है और राज्य सरकार से इसे तत्काल वापस लेने की मांग करती है।

प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने बेंगलूरु में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार का यह कदम लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लगातार ऐसे फैसले ले रही है, जिससे लोकतंत्र कमजोर होता दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि विधानमंडल के महत्वपूर्ण केंद्र विधान सौध में मीडिया की स्वतंत्र आवाजाही पर रोक लगाना पारदर्शिता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनके अनुसार लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका बेहद अहम होती है और उस पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध उचित नहीं ठहराया जा सकता।

विजयेंद्र ने यह भी कहा कि पिछले बेलगावी सत्र के दौरान लाए गए कुछ कानूनों और फैसलों पर भी सवाल उठे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के कई निर्णय लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप नहीं हैं और इससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है।
साथ ही उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर भी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि देश विरोधी नारों जैसे “पाकिस्तान जिंदाबाद” जैसे मामलों पर ठोस कार्रवाई नहीं होना चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ऐसे मुद्दों पर स्पष्ट रुख अपनाने में विफल रही है।

विजयेंद्र ने कहा कि मंत्री कार्यालय में कथित चोरी की घटना को आधार बनाकर मीडिया पर रोक लगाना उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से पारदर्शिता बनाए रखने और मीडिया की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की अपील की।

अंत में उन्होंने दोहराया कि मीडिया पर लगाया गया प्रतिबंध तुरंत हटाया जाना चाहिए, क्योंकि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए उचित नहीं है।

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —
कर्नाटक

दिवान्दी प्रीमियर लीग सीजन-2 का आगाज़ 27 फरवरी से—ग्रामीण क्रिकेट प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

दिवान्दी। रोहट तहसील ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से दिवान्दी गांव में डीपीएल (दिवान्दी प्रीमियर लीग) सीजन-2 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 27 फरवरी 2026 से 2 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र के खेल प्रेमियों व युवाओं में उत्साह का माहौल है।

आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता में सीमित 16 टीमों को ही भाग लेने का अवसर दिया जाएगा तथा टीमों की एंट्री 25 फरवरी 2026 तक स्वीकार की जाएगी। प्रवेश शुल्क 2100 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता के विजेता को 21,000 रुपये, उपविजेता को 11,000 रुपये तथा तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 3,100 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

टूर्नामेंट के सभी मैच 10-10 ओवर के होंगे, जिनमें शुरुआती 3 ओवर का पावरप्ले रहेगा। प्रतियोगिता के प्रत्येक मैच में “मैन ऑफ द मैच” पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि मैन ऑफ द सीरीज पुरस्कार जीत स्पोर्ट्स द्वारा प्रदान किया जाएगा। मैचों का सीधा प्रसारण मामाजी स्टुडियो सामुजा द्वारा लाइव किया जाएगा।

आयोजन समिति ने स्पष्ट किया है कि प्रतियोगिता में केवल ग्रामीण टीमों को ही प्रवेश दिया जाएगा, किसी भी शहर की टीम को अनुमति नहीं होगी। सभी खिलाड़ियों को अपने गांव की टीम से ही खेलना अनिवार्य रहेगा तथा पहचान के लिए आईडी प्रूफ साथ लाना होगा। अंपायर व आयोजन समिति का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा।

समस्त ग्रामवासी दिवान्दी द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में खेल भावना को बढ़ावा देने और युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने का उद्देश्य रखा गया है। आयोजकों ने क्षेत्र की सभी योग्य टीमों से इस प्रतियोगिता में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

महंत श्री दयाराम जी महाराज का आह्वान—गुरुवाणी की अवधारणा से सामाजिक एकता व संस्कारित समाज निर्माण पर जोर

भारतार्थ संवाददाता, धन्नाराम चौधरी।

शिकारपुरा तीर्थधाम। गुरुवाणी की आध्यात्मिक अवधारणा को आधार बनाकर सामाजिक सरोकारों के कार्यों को संगठित रूप से संपादित करने का आह्वान वर्तमान गादीपति श्री राजेश्वर भगवान की प्रेरणा से समाज में चल रहे आध्यात्मिक कालखंड के संदर्भ में किया गया।
महंत ने कहा कि गुरु-भक्ति, सात्विक जीवनशैली और गीता-गुरुवाणी के सिद्धांतों को अपनाने वाला व्यक्ति सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होकर सफल जीवन जी सकता है।

उन्होंने बताया कि पावन तीर्थ शिकारपुरा धाम स्थित परम आराध्य श्री 1008 श्री राजाराम जी महाराज की समाधि पर समाज के पंच परमेश्वरों को संगठित कर भविष्य के सामाजिक संचालन की दिशा तय करने का प्रयास किया जा रहा है। उनके अनुसार बदलते समय और घनघोर कलिकाल में समाज के नियम-कायदों, रीति-रिवाजों और नीतियों को सुव्यवस्थित रूप से लागू करना आवश्यक है, जिससे समाज का समग्र कल्याण सुनिश्चित हो सके।

महंत ने विशेष रूप से कलबी समाज की पारंपरिक न्यायिक शक्ति ‘पंच परमेश्वर’ को समाज की प्राणवायु बताते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भूमिका से समाज में अनुशासन, एकता और सकारात्मक दिशा बनी रह सकती है। ऐतिहासिक रूप से समाज विभिन्न पटेल पट्टियों व चौटालों में विभाजित रहा है, जिनमें प्रमुख रूप से राजस्थान, गुजरात तथा मध्यप्रदेश क्षेत्र शामिल हैं।

उन्होंने समाज के प्रबुद्धजनों, नीति निर्धारकों, समाज सुधारकों, पत्रकारों और शिक्षाविदों से अपील की कि वे शिकारपुरा धाम से संकल्प लेकर गुरु मार्ग पर चलते हुए एक सशक्त, संस्कारित एवं संगठित समाज निर्माण में योगदान दें। साथ ही परिवारों में संस्कार, शिक्षा और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर भी बल दिया गया।

अंत में महंत ने गुरु कृपा की कामना करते हुए कहा कि गुरु-भक्ति और सामाजिक एकता के माध्यम से ही श्रेष्ठ समाज और श्रेष्ठ राष्ट्र के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

भारतार्थ
खबर नहीं, उसका अर्थ
(कहानी)

"सेवाराम"

लेखक- लालबहादुर चौरसिया 'लाल'

मई माह की झुलसा देने वाली गर्मी चरम पर थी। सेवाराम की लाडली पौत्री स्नेहा की शादी बिल्कुल करीब थी। सेवाराम के माथे पर चिंता की लकीरें समुद्री लहरों के समान उछल रही थीं।

काफी दान दहेज, बारातियों की आवभगत, लाइट, जनरेटर, टेंट, सजावट, कैटरिंग कहाँ से आएगा इतना सारा पैसा। इन्हीं प्रश्नों पर ध्यान जाते ही सेवाराम का दिल बैठ जाता था। लेकिन मन को समझाए जा रहे थे।

"सबको पैसा तो शादी के बाद ही देना पड़ता है, देते रहेंगे, कोई फांसी पर थोड़े ही चढ़ा देगा, आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों, सभी अपना-अपना पैसा लेते रहेंगे।" ऐसा विचार सेवाराम के मन को ठंडक अवश्य दे रहा था।

लेकिन दरवाजे पर तिलक के तीन लाख कहाँ से आयेंगे। बस यही चिंता उन्हें खाए जा रही थी। अभी भी इकलौते बेटे मनोहर की चिता उनके सीने में दहक ही रही थी। मात्र चार माह पूर्व हुई मनोहर की मौत ने परिवार की जड़ें हिला डाली थीं।

ब्रेन हेमरेज रुपी काल, मनोहर को लील गया था। स्नेहा के विवाह के लिए वर्षों से जोड़-जोड़ कर रखा गया धन मनोहर के इलाज में स्वाहा हो चुका था। सेवाराम एक मध्यमवर्गीय परिवार के मुखिया थे। परिवार में पत्नी, एक पुत्र व तीन पुत्रियों को मिलाकर कुल छः सदस्य थे। मनोहर, सेवाराम का इकलौता व तीनों बेटियों से छोटा पुत्र था। मनोहर बचपन से ही काफी तेज-तर्रार था। पढ़ाई में अपनी कक्षाओं में आव्वल आता था। किंतु मनोहर की पढ़ाई सिर्फ हाई स्कूल तक ही हो पाई थी। घर की जिम्मेदारियाँ अधिक थी।सारी जिम्मेदारियों का बोझ सेवाराम अकेले उठाने में असमर्थ थे।

इसलिए मनोहर को अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी और पैसों की तलाश में बाहर निकलना पड़ा। समय बीता। सेवाराम की तीनों बेटियों का विवाह हुआ। कुछ ही वर्षों बाद बेटे मनोहर का भी विवाह हो गया। मनोहर की पत्नी राधा ने एक पुत्र और एक पुत्री ने जन्म दिया। पुत्र छोटा था। पुत्री बड़ी थी जिसका नाम था स्नेहा। सौंदर्य की प्रतिमूर्ति स्नेहा बीए की पढ़ाई समाप्त कर के बीएड की तैयारी में लग गई। स्नेहा विवाह के योग्य हो गई थी।

सयानी व अविवाहित बेटियां परिवार पर किसी बड़े बोझ से कम नहीं होती। बेटियां खासकर पिता के कंधों पर तो कठोर व विशाल शिला सी टिकी रहती हैं। हालांकि पिता कभी इसे प्रकट नहीं करता।
कास कोई ऐसा यंत्र होता जो पिता के कंधों पर पड़ रहे दबाव का सही-सही आकलन कर सके। खैर....काफी दौड़-धूप के बाद मनोहर को स्नेहा के लिए लड़का मिल गया। लड़का किसी सरकारी दफ्तर में बाबू के पद पर कार्यरत था। नाम था हेमचंद। हेमचंद और स्नेहा की जोड़ी कुछ असहज जरूर थी।

लेकिन सरकारी कमासुत लड़के असहज स्थिति को भी सहज बनाने में सक्षम होते हैं। उनकी सरकारी तन्ख्वाह के समक्ष उनके रंग रूप गौड़ हो जाते हैं। हेमचंद, रामअचल का इकलौता बेटा था। रामअचल एक संपन्न व्यक्ति थे।
दस-बारह बीघा उपजाऊ जमीन, ट्रैक्टर ट्राली,राइस मिल, ईट भट्ठा सब मिला-जुला कर घर में पैसों का अच्छा स्रोत था।
मनोहर को विश्वास था कि मेरी बेटी रामअचल जी के घर सुखी रहेगी।

विवाह तिथि सुनिश्चित हुई। दोनों तरफ से वैवाहिक तैयारियां होने लगीं। वर पक्ष से फरमाइशों की लम्बी लिस्ट मनोहर के पास आई। इतने बाराती आयेंगे। जलपान में ये, खाने में वो,फलां रंग की गाड़ी,तिलक पर इतना।

गले की चेन इतने ग्राम की,टीवी, वाशिंग मशीन, एसी, फ्रिज, सोफा ब्रांडेड होना चाहिए इत्यादि। एक बाप अपनी बेटी की खुशी के लिए अपने निजी सपनों को हवनकुंड की अग्नि में झोंक देता है। बेचारे मनोहर जी की भी वही दशा थी। वे रामअचल की सारी बातें मानते चले गए।

वे इस बात से आश्वस्त थे कि बेटी का रिश्ता एक सम्पन्न परिवार में होने जा रहा है। इतना खर्च तो करना ही होगा। धीरे-धीरे सब कुछ फिक्स होने लगा।

नियति पर नियंत्रण असंभव है। होनी को कुछ और होना था। अचानक मनोहर की ब्रेन हेमरेज से हुई मौत, सेवाराम के परिवार पर कहर बनकर टूट पड़ी। मनोहर की मृत्यु से एक हँसता खेलता परिवार उजड़ गया। परिवार के सपने बिखर गए। स्नेह के विवाह के मात्र चार माह पूर्व हुई इस अप्रत्याशित घटना ने परिवार के प्रत्येक प्राणी को झकझोर डाला। विवाह तो सुनिश्चित था इसलिए टाला नहीं गया।

थे वालों को मदहोश किए जा रहा था। बाराती डीजे के पीछे अपनी-अपनी स्टाइल के डांस में मशगूल थे। बारात सेवाराम के दरवाजे पर पहुंची। कुछ घराती व बाराती आतीशबाजी देखने में मस्त थे। फुलझड़ी के तीव्र उजाले से आँखे चौंधिया जा रही थीं। अनार पर जैसे ही माचिस की जलती तीली पड़ती, ऐसा लगता कि कोई सुशुप्त ज्वालामुखी जाग्रत हो उठा हो।

राकेट पलक झपकते ही हवा से बातें करने लगते और एक जोरदार धमाके के साथ विभिन्न रंगों की चिनगारियां बिखेर देते। ऐसा लगता मानो तारों का विशाल झुण्ड रंगीन लिबास में धरती की ओर बढ़ रहा हो। कुछ बच्चे पटाखों के खाली हुए खोखे लूटने में मस्त थे। नाश्ता करने वाले मिठाई,चाट पकौड़े, चाऊमीन, मंच्यूरियन कुल्फी इत्यादि पर टूट रहे थे। भोजन करने वाले बड़ी शान से खाली प्लेट लिए

अगले पेज पर

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —

(कहानी)

भोजन स्टाल की तरफ बढ़ रहे थे। भोजन स्टाल पर अचानक भीड़ ज्यादा होने से कुछ सभ्य लोग असहज जरूर थे किंतु किनारे खड़े होकर भीड़ के हल्का होने का इंतजार कर रहे थे।

स्वक्ष आटें से उकेरे गए अल्पना पर द्वारचार की रस्में निभाई जा रही थी। सेवाराम पुरोहित के निर्देशों का पालन पूरी निष्ठा से कर रहे थे। तभी एक ऊँची आवाज सेवाराम के कानों में दनदनाती गोली की तरह प्रविष्ट हुई।

"तिलक के तीन लाख रुपए कहाँ हैं?" बाबू जी

सेवाराम का ध्यान पुरोहित से हटकर उस आवाज की तरफ केंद्रित हो गया। उन्होंने देखा कि यह आवाज लड़के के पिता अर्थात रामअचल की ही थी। सेवाराम के कंठ जैसे सूख गए। धमनियों का रक्त प्रवाह अवरुद्ध सा होने लगा। उन्हें यूँ लगा कि जैसे पाँव के नीचे की जमीन किसी ने गायब कर दी। अपने आप को नियंत्रित करते हुए सेवाराम, रामअचल जी से बोले, "समधी बाबू आप घबराएँ नहीं। रूपयों का इंतजाम हो जाएगा। हम विवाहोपरांत कुछ ही दिनों में दे देंगे।"

सेवाराम की ऐसी बातें सुनकर रामअचल तुनक गए। गरजे, "नहीं नहीं, मैं यह कदापि नहीं सुनना चाहता। रुपए चाहिए तो इसी वक्त चाहिए। नहीं तो....., अभी रामअचल कुछ कहने ही वाले थे की सेवाराम अपनी पगड़ी सर से उतर कर रामअचल के पैरों पर रख दिए और गिड़गिड़ा पड़े, "रामअचल बाबू हमारी इज्जत आपके हाथों में है। हम इस वक्त बहुत मजबूर हैं। अभी हमने जवान बेटे की मौत का दंश झेला है। विवाह के लिए जो भी धन रखा गया था सब बेटे के इलाज में खत्म हो गया। हम पर रहम खाइए। मैं आपसे वादा करता हूँ कि आपको तिलक का पूरा पैसा जल्दी ही दे दूँगा।"

सेवाराम की ऐसी असहाय स्थिति से रामअचल थोड़ा विचलित जरूर हुए लेकिन यह क्षणिक ही था। मदांध या संवेदनहीन को किसी के सुख-दुख की चिंता कहाँ । पैरों में रखी पगड़ी से दूर हटते हुए रामअचल बोले, "यदि आप इस समय पैसे देने में अक्षम हैं तो यह विवाह कुछ दिनों के लिए रोक दीजिए। जब आप सक्षम हो जायेंगे तब हमें सूचित करिएगा। मैं पुनः बारात लेकर आऊँगा लेकिन इस समय तो विवाह कदापि नहीं हो सकता। ऐसा कहकर बेटे और बारातियों को वापस चलने का निर्देश देते हुए वहाँ से निकलने लगे। महिलाओं का मंगल गान शांत सभा में बदल उठा। डीजे की आवाज धीमी हो गई। बैंडबाजे बंद हो गए। सभी आपस में फुसफुसा रहे थे। सेवाराम की डबडबाई आँखें, जाते हुए बारातियों की तरफ टकटकी लगाए देख रही थीं मानों महीनों के भूखे व्यक्ति के सामने से भोजन भरी थाल हटा दी गई हो या यूँ कहिए कि जैसे जुआरी अपना सब कुछ गँवा कर जीते हुए प्रतिद्वंदी को पीड़ा व प्रतिशोध की मुद्रा में निहार रहा हो। वैवाहिक उत्सव मरघट में तब्दील हो चुका था। महिलाएं आपस में बुदबुदा रही थीं, "अरे बेचारे पर कितना बड़ा अन्याय हो गया,अभी भगवान ने विपत्ति डाली ही थी कि एक और विपत्ति का पहाड़ उस आदमी ने ही गिरा दिया। सत्यानाश हो उसका।" शामियाना बारातियों से लगभग खाली हो चुका था किन्तु घराती अभी जमे थे।

उसी समय एक चमचमाती कार सेवाराम के दरवाजे के ठीक सामने आकर रुकी। लोगों का ध्यान कार की तरफ गया। कार से तीन लोग बाहर निकले। तीनों चहल कदमी करते हुए सेवाराम की तरफ बढ़ने लगे। आगे आते हुए व्यक्ति पर जैसे ही सेवाराम की नजर पड़ी, चौंक उठे। मुख से हल्की आवाज निकल पड़ी "अरे! प्रभुदयाल बाबू।" यह कहते हुए दौड़े और प्रभुदयाल को अपने दोनों हाथों से भीचकर लिपट गए। प्रभुदयाल से लिपटना उन्हें ऐसा लग रहा लगा जैसे कोई बदल का टुकड़ा सूर्य की आग उगलती रश्मियों के नीचे कुछ पल के लिए ठहर गया हो। किंतु घोर पीड़ा में यदि कोई अपना दिख जाए तो पीड़ा का प्रलाप व आयतन कुछ समय के लिए बढ़ जाता है। सो ऐसा ही हुआ। सेवाराम प्रभुदयाल से लिपटकर फूट-फूट कर रोने लगे। प्रभुदयाल सेवाराम की पीठ पर किसी रोते बालक की तरह थपकी देकर चुप कराने का असफल प्रयास करते रहे। आज सेवाराम को लगभग पच्चीस वर्ष पुरानी विस्मृत बातें स्मरण हो आई।

कितना भीषण ट्रेन हादसा। बोगियाँ एक दूसरे पर ऐसी चढ़ी थी कि जैसे किसी शरारती बच्चे ने खिलौनों को तोड़-ताड़कर किसी कोने में फेंक दिया हो। चारों तरफ चीख ही चीख सुनाई दे रही थी। मांस के लोथड़ों व खून से ट्रैक रक्त रंजित हो गया था। सुबह के चार बजे थे। निशा अपनी चादर समेटे उषा के आगमन का इंतजार कर रही थी। उसी समय सेवाराम के घर से कुछ ही दूरी पर बने रेलवे क्रॉसिंग से सौ मीटर आगे दो ट्रेनों की आमने-सामने की टक्कर हुई। धमाका इतना जोर था कि कई किलोमीटर के परिध में लोग चौंक गए थे। ट्रेन हादसे की खबर समीपवर्ती गाँवों में जंगली आग की तरह फैल गई थी। जो जैसे सुना वो वैसे दौड़ा। सेवाराम भी बरामदे में सोए थे। चौक कर उठ गए। पता चला कि क्रॉसिंग पर दो ट्रेनों की भयानक टक्कर हुई है। वे भी दौड़ पड़े। कोई कहाँ गिरा था, कोई कहाँ। अफरातफरी व लोगों की चीख पुकार का बड़ा ही भयावह मंजर था। ट्रेन हादसा हुए आधे घंटे बीत चुके थे। अभी कोई सरकारी राहत दस्ता वहाँ मौजूद नहीं हुआ था। सिर्फ गाँव के ही लोग फँसे लोगों को निकाल रहे थे। वहाँ पहुँचे सेवाराम की निगाह खून से लथपथ एक अधेड़ व्यक्ति पर पड़ी। सर से लेकर आधा शरीर बर्थ सीट के नीचे अटका था। सेवाराम किसी तरह उसके नजदीक गए। उस व्यक्ति की चोट और पीड़ा से आँखें बंद थी। सिर्फ वह कराह रहा था। सेवाराम जैसे ही उसे उठने लगे, घायल व्यक्ति चीख उठा, "बचा लो बाबू, मुझे बचा लो।" सेवाराम उस घायल व्यक्ति को खींचकर बाहर निकाले। उसे खड़ा करने का प्रयास करने लगे। किंतु सेवाराम का प्रयास असफल हुआ। शायद उस व्यक्ति का दाहिना पैर भी टूट गया था। सेवाराम उसे अपनी पीठ पर लादे और अपनी पूरी ऊर्जा के साथ दौड़ते हुए पास के एक निजी अस्पताल में ले गए। खून बहुत ज्यादा बह गया था। डॉक्टरों ने फौरन इलाज शुरू किया। डॉक्टरों ने कहा इन्हें ब्लड की आवश्यकता है। सेवाराम ने अपना खून दिया। लगभग एक घंटे बाद व्यक्ति को होश आया। घायल व्यक्ति ने अपना नाम रघुराज प्रताप सिंह व वाराणसी से सटे हुए किसी गाँव का निवासी बताया। वह किसी काम से इधर आया था। ट्रेन हादसे की सूचना रघुराज के घर पर पहुंची। घर पर कोहराम मच गया। दोपहर होते-होते रघुराज के पुत्र प्रभुदयाल भी आ गए। सेवाराम ने राहत की सांस ली। प्रभुदयाल को जब यह पता चला कि यही वे व्यक्ति हैं जिन्होंने मेरे पिताजी के प्राणों की रक्षा की और उन्हें अपने पीठ पर लादकर पैदल यहां तक लाए थे। ईश्वर का लाख-लाख धन्यवाद करते हुए सेवाराम के पैरों को चूम लिया। एक क्षण के लिए मौन हो गए। सोचने लगे "अभी भी मानवता जिंदा है। दुनिया ऐसे ही नि:स्वार्थ लोगों की बदौलत टिकी हुई है।" सेवाराम को एक विजिटिंग कार्ड देते हुए प्रभुदयाल ने निवेदन किया-

अगले पेज पर

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —

(कहानी)

पर बने रेलवे क्रॉसिंग से सौ मीटर आगे दो ट्रेनों की आमने-सामने की टक्कर हुई। धमाका इतना जोर था कि कई किलोमीटर के परिध में लोग चौंक गए थे। ट्रेन हादसे की खबर समीपवर्ती गाँवों में जंगली आग की तरह फैल गई थी। जो जैसे सुना वो वैसे दौड़ा। सेवाराम भी बरामदे में सोए थे। चौक कर उठ गए। पता चला कि क्रॉसिंग पर दो ट्रेनों की भयानक टक्कर हुई है। वे भी दौड़ पड़े। कोई कहाँ गिरा था, कोई कहाँ। अफरातफरी व लोगों की चीख पुकार का बड़ा ही भयावह मंजर था।

ट्रेन हादसा हुए आधे घंटे बीत चुके थे। अभी कोई सरकारी राहत दस्ता वहाँ मौजूद नहीं हुआ था। सिर्फ गाँव के ही लोग फँसे लोगों को निकाल रहे थे। वहाँ पहुँचे सेवाराम की निगाह खून से लथपथ एक अधेड़ व्यक्ति पर पड़ी। सर से लेकर आधा शरीर बर्थ सीट के नीचे अटका था।

सेवाराम किसी तरह उसके नजदीक गए। उस व्यक्ति की चोट और पीड़ा से आँखें बंद थी। सिर्फ वह कराह रहा था। सेवाराम जैसे ही उसे उठने लगे, घायल व्यक्ति चीख उठा, "बचा लो बाबू, मुझे बचा लो।" सेवाराम उस घायल व्यक्ति को खींचकर बाहर निकाले। उसे खड़ा करने का प्रयास करने लगे। किंतु सेवाराम का प्रयास असफल हुआ। शायद उस व्यक्ति का दाहिना पैर भी टूट गया था। सेवाराम उसे अपनी पीठ पर लादे और अपनी पूरी ऊर्जा के साथ दौड़ते हुए पास के एक निजी अस्पताल में ले गए।

खून बहुत ज्यादा बह गया था। डॉक्टरों ने फौरन इलाज शुरू किया। डॉक्टरों ने कहा इन्हें ब्लड की आवश्यकता है। सेवाराम ने अपना खून दिया। लगभग एक घंटे बाद व्यक्ति को होश आया। घायल व्यक्ति ने अपना नाम रघुराज प्रताप सिंह व वाराणसी से सटे हुए किसी गाँव का निवासी बताया।

वह किसी काम से इधर आया था। ट्रेन हादसे की सूचना रघुराज के घर पर पहुंची। घर पर कोहराम मच गया। दोपहर होते-होते रघुराज के पुत्र प्रभुदयाल भी आ गए। सेवाराम ने राहत की सांस ली।

प्रभुदयाल को जब यह पता चला कि यही वे व्यक्ति हैं जिन्होंने मेरे पिताजी के प्राणों की रक्षा की और उन्हें अपने पीठ पर लादकर पैदल यहां तक लाए थे। ईश्वर का लाख-लाख धन्यवाद करते हुए सेवाराम के पैरों को चूम लिया। एक क्षण के लिए मौन हो गए।

सोचने लगे "अभी भी मानवता जिंदा है। दुनिया ऐसे ही नि:स्वार्थ लोगों की बदौलत टिकी हुई है।"

सेवाराम को एक विजिटिंग कार्ड देते हुए प्रभुदयाल ने निवेदन किया- रघुराज प्रताप की स्थिति कुछ ठीक नहीं थी। प्रभुदयाल उन्हें बड़े अस्पताल में ले जाने की तैयारी में लग गए। जाते समय रघुराज जी ने सेवाराम का हाथ पकड़ लिया,

"भैया यदि आप आज नहीं होते तो मेरी जान नहीं बचती हमारे यहाँ जरूर आइएगा।"

प्रभुदयाल उन्हें लिवाकर चले गए।

जनवरी की भीषण ठंड थी। सेवाराम जी किसी कार्य बस वाराणसी गए हुए थे। काम निपटा कर गाँव वापस होने को थे। उन्हें याद आया "अरे यही कही रघुराज प्रताप जी का गाँव है। चलिए उनसे मिलता चलूँ, देखूँ उनकी क्या हाल-चाल है।"

बाबू रघुराज प्रताप सिंह एक संपन्न व्यक्ति थे उनके अंदर बड़मन्साहत थी। बड़े ही उदार, नेक दिल, व सच्चे इंसान थे। यतीमों व गरीबों के लिए तो वे साक्षात भगवान थे।

छोटे तबके के लोग उन्हें बहुत स्नेह देते थे। यह उनकी धौंस नहीं उदारता थी। ट्रेन हादसे को हुए लगभग छः माँह हो गए किंतु अभी भी हाल चाल लेने वालों का जमावड़ा लगा रहता था। रघुराज जी के पैरों का प्लास्टर निकल चुका था। डॉक्टर ने हाथ में छड़ी लेकर चलने का निर्देश दिया था। दरवाजे के सामने आम की बड़ी ही विशाल बाग थी। इसी बाग के बगल से एक रास्ता था जो रघुराज प्रताप सिंह के घर को जाता था। सेवाराम जी वही रास्ता पकड़ कर उनके घर पहुँचे।

बरामदे के बाहर बड़ा सा अलाव जल रहा था। लोग अलाव के परिधि में बैठ हड़कपाऊ ठंडक से बचने का भरपूर प्रयास कर रहे थे। लोगों का आपसी गपशप भी चल रहा था।

रघुराज प्रताप एक तख्ते पर अपना आसन जमाए हुए थे। इसी बीच सेवाराम पहुँचे। सेवाराम को देखकर रघुराज जी उछल पड़े,

"अरे!आइए आइए भैया। आप तो हमारे भगवान हैं। यदि आप नहीं होते तो आज मेरा क्रिया कर्म हुए महीनों बीत गया होता।"

"ऐसा मत कहें बाबू साहब,जब तक मालिक की मर्जी नहीं है, तब तक कोई बाल भी बाँका नहीं कर सकता, और बताइए इस समय कैसे हैं?"

" ठीक हूँ सेवाराम भैया। अभी पैर में थोड़ी दर्द है।"

"धीरे-धीरे सब ठीक हो जाएगा।"

रघुराज जी ने फौरन अपने बेटे प्रभुदयाल को बुलाया। प्रभुदयाल तत्काल आए और सेवाराम को देखकर भाव विह्वल हो गए।

"अरे काका जी आप। अहोभाग्य हमारे कि आप हमारे घर पधारे।" ऐसा कहते हुए प्रभुदयाल ने सेवाराम को प्रणाम किया। रघुराज प्रताप का पूरा परिवार सेवाराम की सेवा में लग गया। जैसे आज सचमुच भगवान उतरे हों। पूरे परिवार से मिलकर सेवाराम भी बहुत प्रसन्न हुए। अगले दिन सेवाराम वहाँ से अपने घर के लिए लौटे।

सेवाराम जब भी वाराणसी जाते तो बाबू साहब के यहाँ एक रात तो बिता कर ही लौटते। किंतु पिछले पच्चीस वर्षों से सेवाराम वाराणसी नहीं गए। ना तो रघुराज सिंह की कोई खबर ही मिली। प्रभुदयाल के दोनों बेटे बड़े ही होनहार व कुशाग्र बुद्धि के थे। दोनों ने साथ-साथ पढ़ाई की और साथ-साथ सरकारी नौकरी में

लग गए। लगभग बयासी साल की उम्र में रघुराज प्रताप सिंह का स्वर्गवास हुआ। रघुराज का देहावसान हुए एक वर्ष बीत चुका था। घर की पूरी जिम्मेदारी प्रभुदयाल जी संभाल रहे थे। ऐसे ही प्रभुदयाल जी बरामदे में बैठे थे,अकस्मात उन्हें सेवाराम जी की याद आ गई "सेवाराम जी को देखे काफी समय हो गया। पिताजी भी हमेशा सेवाराम जी को याद करते थे। ऐसे नेक इंसान को मैं भूल ही गया हूँ। पता नहीं वे किस हाल में होंगे।" अगले ही दिन प्रभुदयाल अपने पुत्र शाश्वत व तन्मय को साथ लेकर,उनके परिवार का हाल-चाल लेने उनके गाँव निकल पड़े।

सेवाराम, प्रभुदयाल के कंधे पर अपना सर रख कर पीड़ा व बिछोह की आग में दहक रहे थे। आज सेवाराम को इस तरह रोता देख प्रभुदयाल जी अत्यंत दुखी हो उठे। वहाँ की सारी घटनाओं से अनभिज्ञ प्रभुदयाल ने सेवाराम से कहा,

"चुप हो जाइए काका! कुछ तो बताइए क्या बात है?"

सेवाराम ने अपने बेटे की मृत्यु और पौत्री के टूटे रिश्ते का सारा वृत्तांत सुनाया। प्रभुदयाल की आँखे भींग गईं।

"अफसोस! इतना घोर संकट। यह तो बहुत ही बुरा हुआ काका। कल मुझे आपकी बड़ी याद आ रही थी। इसलिए आज मैं आपसे मिलने आया था तथा अपने इन दोनों पुत्रों, शाश्वत और तन्मय को भी आपसे मिलवाने लाया था।"

अगले पेज पर

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —

(कहानी)

"अरे यह आपके दोनों जुड़वा बेटे! बाबू ये दोनों जब गोंद में खेल रहे थे तबका देखा था। आज इतने बड़े हो गए।"

अचानक खींचकर सेवाराम ने शास्वत और तन्मय को अपने सीने से लगा लिया।

"हां काका अब तो इनकी सरकारी नौकरी भी लग गई है।"

दोनों ने सेवाराम के पाँव छूए।

"जुग जुग जिओ बेटों। तुम दोनों को जीवन में कोई संकट ना आए।"

ऐसा कहते हुए सेवाराम पुनः फफक पड़े। प्रभु दयाल ने उन्हें संभाला और बोले-

"काका मैं तो सिर्फ आपसे मिलने ही आया था। मुझे क्या पता कि यहाँ आकर मुझे कुछ फैसले भी लेने होंगे।

काका आपने हमारे पिताजी के प्राणों की रक्षा की थी। हम आपका वो कर्ज तो इस जीवन में नहीं उतार पाएँगे। लेकिन मेरा एक निवेदन है शायद मेरा निवेदन आपको स्वीकार हो या ना हो वह आपकी मर्जी है।

आज आपके साथ जो भी हुआ बहुत बुरा हुआ। यदि आप तैयार हों तो अपनी पौत्री का हाथ मेरे बड़े बेटे शाश्वत के हाथ में दे दें।"

प्रभु दयाल की ऐसी बातें सुनकर सेवाराम की आंखें चमक उठीं। आधी रात को जैसे सूर्योदय हो गया। सेवाराम को अभी भी विश्वास नहीं हो रहा था कि प्रभु दयाल जी ने जो कहा वह सत्य है या मैं कोई सपना देख रहा हूँ।

"क्या कहते हैं काका! यदि आप तैयार हों तो बुलाइए बेटी स्नेहा को"

"अरे बाबू इसमें कहने वाली क्या बात है। मुझ अभागे को इससे बड़ी खुशी कहाँ मिल सकती है। शायद मेरे पिछले जन्मों का कोई पुण्य आज उदय हुआ है जो मुझे इस भयानक दलदल से बाहर निकाल रहा है। मैं एकदम तैयार हूँ बाबू, किंतु आप भी शाश्वत बाबू से तो पूछ लीजिए।"

"हां काका आप ठीक कहते हैं। बोलो बेटा शाश्वत तुम्हारा क्या विचार है?"

एक क्षण के लिए सन्नाटा पसरा। अगले ही क्षण शाश्वत शर्माते हुए धीमे से बोला-

"पिताजी आप हमारे जन्मदाता हैं। आपका

"हर फैसला मेरे सर आँखों पर।"

महिलाओं ने पुनः मंगल गान आरंभ कर दिया। बैन्ड बाजे बज उठे। सहेलियों के साथ सजी-धजी स्नेहा धीमे-धीमे मंडप की तरफ बढ़ने लगी। वह आज किसी राजकुमारी से कम नहीं दिख रही थी। स्नेहा व शाश्वत की जोड़ी खूब जम रही थी। स्नेहा के हाथों की वरमाला शाश्वत के गले में पड़ कर इंद्रधनुषी छटा बिखेरी रही थी। **-समाप्त-**

****
लेखक -लालबहादुर चौरसिया लाल
आजमगढ़,9452088890
****

विज्ञापन

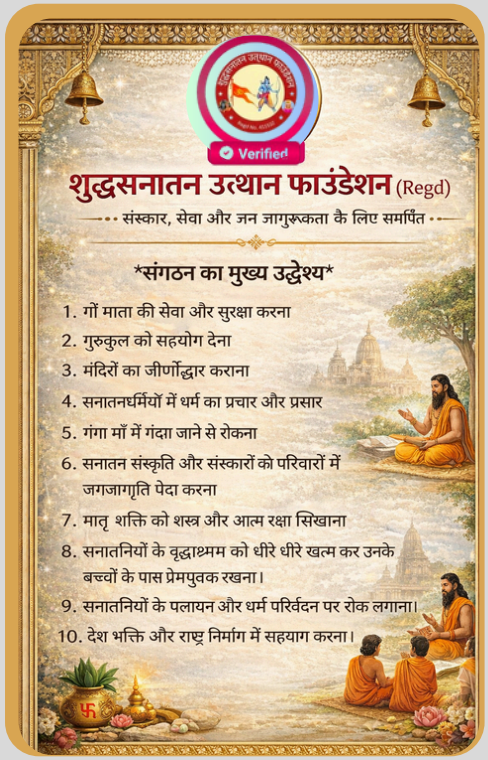

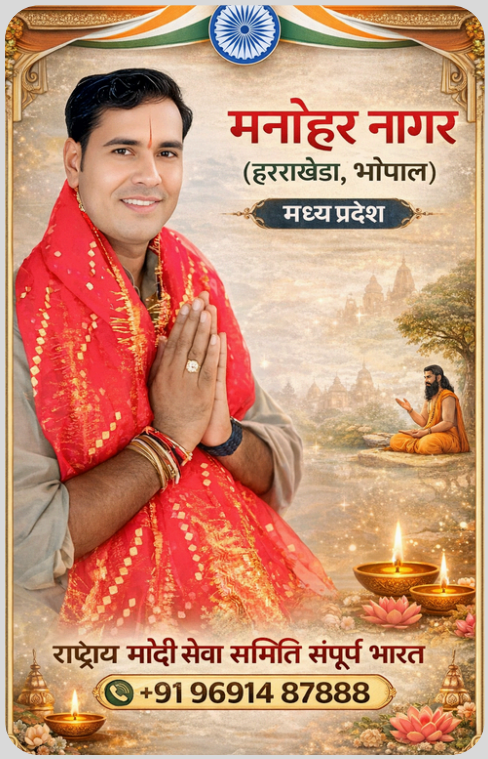

विज्ञापन के लिए संपर्क करें

Watsapp & Mobile Number : 9341259043, Mobile Number : 9164117755 Email ID : news@bhaarataarth.com Website: https://www.bhaarataarth.com/

भारतार्थ
— खबर नहीं, उसका अर्थ —

विज्ञापन

देश ,राज्य ,राजनीति ,अपराध ,ब्रेकिंग न्यूज़ ,खेल ,मनोरंजन ,धर्म ,शिक्षा , स्वास्थ्य,ई-पेपर